स्वच्छता समाचार
अक्टूबर 2024
खंड 1

स्वच्छता ही सेवा 2024

17 सितम्बर – 2 अक्टूबर 2024

स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता

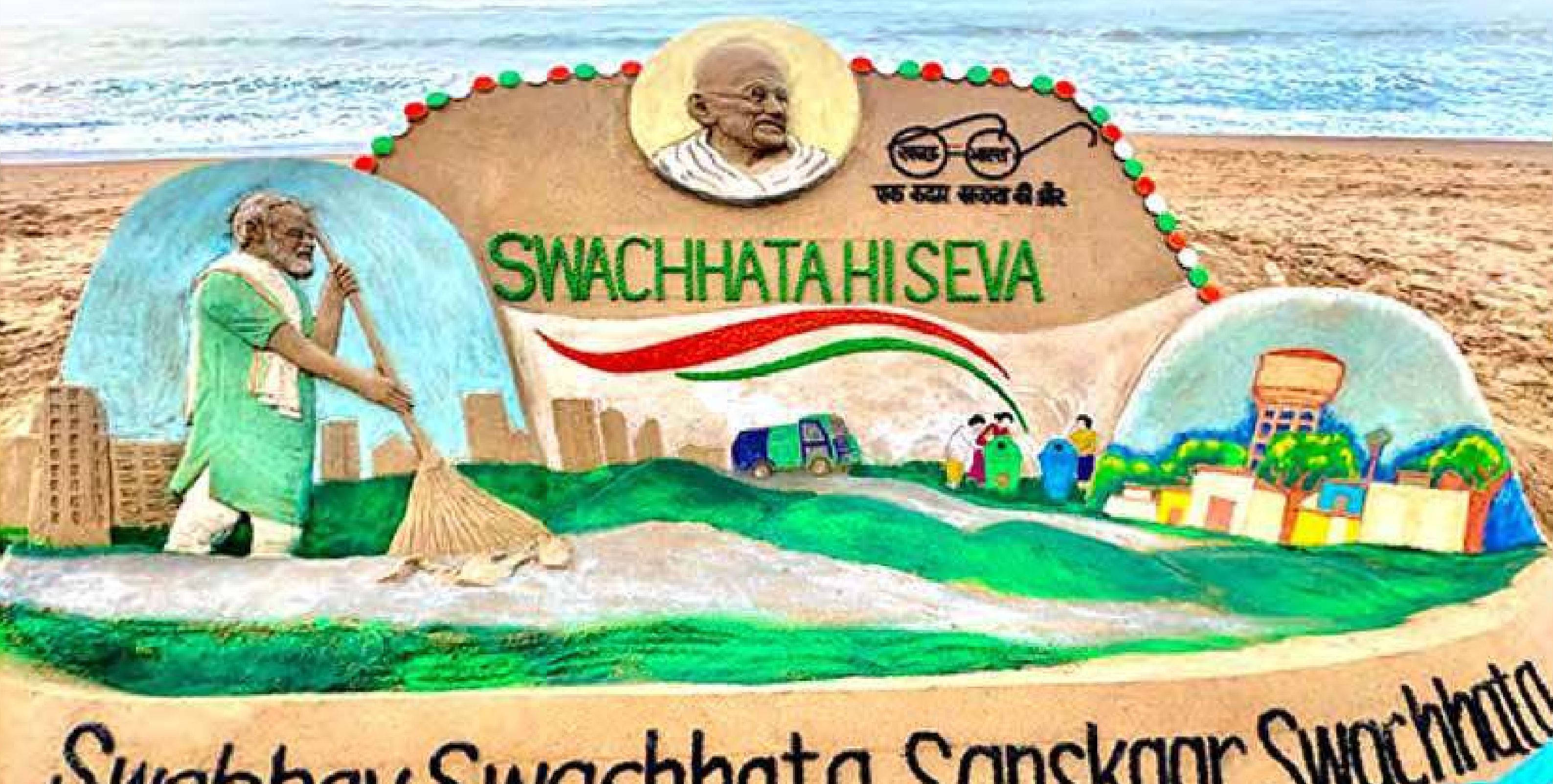

स्वच्छता समाचार

केंद्रीय मंत्रिमंडल के मेरे सहयोगी श्रीमान मनोहर लाल जी, सी. आर. पाटिल जी, तोखन साहू जी, राज भूषण जी, अन्य सभी महानुभाव, देवियों और सज्जनों!

आज पूज्य बापू और लाल बहादुर शास्त्री जी की जन्म जयंती है। मैं मां भारती के सपूतों को श्रद्धापूर्वक नमन करता हूं। जिस भारत का सपना, गांधी जी और देश की महान विभूतियों ने देखा था, वो सपना हम सब मिलकर के पूरा करें, आज का दिन हमें ये प्रेरणा देता है।

साथियों,
आज 2 अक्टूबर के दिन, मैं कर्तव्यबोध से भी भरा हुआ हूं और उतना ही भावुक भी हूं। आज स्वच्छ भारत मिशन को, उसकी यात्रा को 10 साल के मुकाम पर हम पहुंच चुके हैं। स्वच्छ भारत मिशन की ये यात्रा, करोड़ों भारतवासियों की अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है। बीते 10 साल में कोटि-कोटि भारतीयों ने इस मिशन को अपनाया है, अपना मिशन बनाया है, इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाया है। मेरे आज के 10 साल की इस यात्रा के पड़ाव पर, मैं हर देशवासी, हमारे सफाई मित्र, हमारे धर्मगुरु, हमारे खिलाड़ी, हमारे सेलिब्रिटी, NGOs, मीडिया के साथी...सभी की सराहना करता हूं, भूरी-भूरी प्रशंसा करता हूं। आप सभी ने मिलकर स्वच्छ भारत मिशन को इतना बड़ा जन-आंदोलन बना दिया। मैं राष्ट्रपति जी, उपराष्ट्रपति जी, पूर्व राष्ट्रपति जी, पूर्व उपराष्ट्रपति जी, उन्होंने भी स्वच्छता की ही सेवा इस कार्यक्रम में श्रमदान किया, देश को बहुत बड़ी प्रेरणा दी। मैं आज राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति महोदय का भी हृदय से अभिनंदन करता हूं, धन्यवाद करता हूं। आज देशभर में स्वच्छता से जुड़े कार्यक्रम हो रहे हैं। लोग अपने गांवों को, शहरों को, मोहल्लों को चॉल हो, फ्लैट्स हो, सोसाइटी हो स्वयं बड़े आग्रह से साफ-सफाई कर रहे हैं। अनेक राज्यों के मुख्यमंत्री, मंत्रिगण और दूसरे जनप्रतिनिधि भी इस कार्यक्रम का हिस्सा बनें, इस कार्यक्रम का नेतृत्व किया। बीते पखवाड़े में, मैं इसी पखवाड़े की बात करता हूं, देश भर में करोड़ों लोगों ने स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रमों में हिस्सा लिया है। मुझे जानकारी दी गई कि सेवा पखवाड़ा के 15 दिनों में, देशभर में 27 लाख से ज्यादा कार्यक्रम हुए, जिनमें 28 करोड़ से ज्यादा लोगों ने हिस्सा लिया। निरंतर प्रयास करके ही हम अपने भारत को स्वच्छ बना सकते हैं। मैं सभी का, प्रत्येक भारतीय का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं।

साथियों,
आज के इस महत्वपूर्ण पड़ाव पर...आज स्वच्छता से जुड़े करीब 10 हज़ार करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स की भी शुरुआत हुई है। मिशन अमृत के तहत देश के अनेक शहरों में वॉटर और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाए जाएंगे। नमामि गंगे से जुड़ा काम हो या फिर कचरे से बायोगैस पैदा करने वाले गोबरधन प्लांट। ये काम स्वच्छ भारत मिशन को एक नई ऊंचाई पर ले जाएगा, और स्वच्छ भारत मिशन जितना सफल होगा उतना ही हमारा देश ज्यादा चमकेगा।

साथियों,
आज से एक हजार साल बाद भी, जब 21वीं सदी के भारत का अध्ययन होगा, तो उसमें स्वच्छ भारत अभियान को जरूर याद किया जाएगा। स्वच्छ भारत इस सदी में दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे सफल जन भागीदारी वाला, जन नेतृत्व वाला, जन-आंदोलन है। इस मिशन ने मुझे जनता-जनार्दन की, ईश्वर रुपी जनता-जनार्दन की साक्षात ऊर्जा के भी दर्शन कराए हैं। मेरे लिए स्वच्छता एक जनशक्ति के साक्षात्कार का पर्व बन गया है। आज मुझे कितना कुछ याद आ रहा है...जब ये अभियान शुरू हुआ...कैसे लाखों-लाख लोग एक साथ सफाई करने के लिए निकल पड़ते थे। शादी-ब्याह से लेकर सार्वजनिक कार्यक्रमों तक, हर जगह स्वच्छता का ही संदेश छा गया...कहीं कोई बूढ़ी मां अपनी बकरियां बेचकर शौचालय बनाने की मुहिम से जुड़ी...किसी ने अपना मंगलसूत्र बेच दिया...तो किसी ने शौचालय बनाने के लिए ज़मीन दान कर दी। कहीं किसी रिटायर्ड टीचर ने अपनी पेंशन दान दे दी...तो कहीं किसी फौजी ने रिटायरमेंट के बाद मिले पैसे स्वच्छता के लिए समर्पित कर दिए। अगर ये दान किसी मंदिर में दिया होता, किसी और समारोह में दिया होता तो शायद अखबारों की हेडलाइन बन जाता और सप्ताह भर उसकी चर्चा होती। लेकिन देश को पता होना चाहिए कि जिनका चेहरा कभी टीवी पर चमका नहीं हैं, जिनका नाम अखबारों की सुर्खियों पर कभी छपा नहीं है, ऐसे लक्ष्यावधि लोगों ने कुछ न कुछ दान करके चाहे वो समय का दान हो या संपत्ति का दान हो इस आंदोलन को एक नई ताकत दी है, ऊर्जा दी है। और ये, ये मेरे देश के उस चरित्र का परिचय करवाता है।
जब मैंने सिंगल यूज़ प्लास्टिक को छोड़ने की बात की तो करोड़ों लोगों ने जूट के बैग और कपड़े के थैले निकालकर के बाजार में खरीदी करने के लिए जाने की परंपरा शुरू की। अब मैं उन लोगों का भी आभारी हूं वरना मैं प्लास्टिक, सिंगल यूज़ प्लास्टिक बंद करने की बात

करता तो हो सकता था, प्लास्टिक इंडस्ट्री वाले आंदोलन करते, भूख हड़ताल पर बैठते...नहीं बैठे, उन्होंने सहयोग किया, आर्थिक नुकसान भोगा। और मैं उन राजनीतिक दलों का भी आभार व्यक्त करता हूं, जो भी शायद निकल पड़ते कि देखिए मोदी ने सिंगल यूज़ प्लास्टिक बंद की है, हजारों लोगों का रोज़गार खत्म कर दिया, पता नहीं क्या-क्या कर देते। मैं उनका भी आभार मानता हूं कि उनका इस बात पर ध्यान नही गया, हो सकता है इसके बाद चला जाए।

साथियों,

इस आंदोलन में हमारा फिल्म जगत भी पीछे नहीं रहा...कमर्शियल हित के बजाय, फिल्म जगत ने स्वच्छता के संदेश को जनता तक पहुंचाने के लिए फिल्में बनाईं। इन 10 सालों में और मुझे तो लगता है कि ये विषय कोई एक बार करने का नहीं है, ये पीढ़ी दर पीढ़ी, हर पल, हर दिन करने का काम है। और ये जब मैं कहता हूं, तो मैं इसको जीता हूं। अब जैसे मन की बात की याद करले आप, आप में से बहुत लोग मन की बात से परिचित हैं, देशवासी परिचित हैं। मन की बात में मैंने करीब-करीब 800 बार स्वच्छता के विषय का जिक्र किया है। लोग लाखों की संख्या में चिट्ठियां भेजते हैं, लोग स्वच्छता के प्रयासों को सामने लाते रहे।

साथियों,

आज जब मैं देश और देशवासियों की इस उपलब्धि को देख रहा हूं...तो मन में ये सवाल भी आ रहा है कि जो आज हो रहा है, वो पहले क्यों नहीं हुआ? स्वच्छता का रास्ता तो महात्मा गांधी जी ने हमें आजादी के आंदोलन में ही दिखाया था...दिखाया भी था, सिखाया भी था। फिर ऐसा क्या हुआ कि आजादी के बाद स्वच्छता पर बिल्कुल ध्यान ही नही दिया गया। जिन लोगों ने सालों-साल गांधी जी के नाम पर सत्ता के रास्ते ढूंढे, गांधी जी के नाम पर वोट बटोरे। उन्होंने गांधी जी के प्रिय विषय को भुला दिया। उन्होंने गंदगी को, शौचालय के अभाव को देश की समस्या माना ही नहीं, ऐसा लगा रहा है जैसे उन्होंने गंदगी को ही जिंदगी मान लिया। नतीजा ये हुआ कि मजबूरी में लोग गंदगी में ही रहने लगे...गंदगी रुटीन लाइफ का हिस्सा बन गई...समाज जीवन में इसकी चर्चा तक होनी बंद हो गई। इसलिए जब मैंने लालकिले की प्राचीर से इस विषय को उठाया, तो देश में जैसे तूफान खड़ा हो गया...कुछ लोगों ने तो मुझे ताना दिया कि शौचालय और साफ-सफाई की बात करना भारत के प्रधानमंत्री का काम नहीं है। ये लोग आज भी मेरा मज़ाक उड़ाते हैं।

लेकिन साथियों,

भारत के प्रधानमंत्री का पहला काम वही है, जिससे मेरे देशवासियों का, सामान्य जन का जीवन आसान हो। मैंने भी अपना दायित्व समझकर, मैंने टॉयलेट्स की बात की, सैनिटेरी पैड्स की बात की। और आज हम इसका नतीजा देख रहे हैं।

साथियों,

10 साल पहले तक भारत की 60 प्रतिशत से ज्यादा आबादी खुले में शौच के लिए मजबूर थी। ये मानव गरिमा के विरुद्ध था। इतना ही नहीं ये देश के गरीब का अपमान था, दलितों का, आदिवासियों का, पिछड़ों का, इनका अपमान था। जो पीढ़ी दर पीढ़ी निरंतर चला आ रहा था। शौचालय ना होने से सबसे ज्यादा परेशानी हमारी बहनों को, बेटियों को को होती थी। दर्द और पीड़ा सहन करने के अलावा उनके पास कोई विकल्प नहीं था। अगर शौचालय जाना है तो अंधेरे का इंतजार करती थीं, दिन भर परेशानी झेलती थीं और रात में बाहर जाती थीं, तो उनकी सुरक्षा से जुड़े गंभीर खतरे होते थे, या तो सुबह सूर्योदय के पहले जाना पड़ता था, ठंड हो, वर्षा हो। मेरे देश की करोड़ों माताएं हर दिन इस मुसीबत से गुजरती थी। खुले में शौच के कारण जो गंदगी होती थी, उसने हमारे बच्चों के जीवन को भी संकट में डाल रखा था। बाल मृत्यु का एक बड़ा कारण, ये गंदगी भी थी। गंदगी की वजह से गांव में, शहर की अलग-अलग बस्तियों में बीमारियां फैलना आम बात थी।

साथियों,

कोई भी देश ऐसी परिस्थिति में कैसे आगे बढ़ सकता है? और इसलिए हमने तय किया कि ये जो जैसा चल रहा है, वैसे नहीं चलेगा। हमने इसे एक राष्ट्रीय और मानवीय चुनौती समझकर इसके समाधान का अभियान चलाया। यहीं से स्वच्छ भारत मिशन का बीज पड़ा। ये कार्यक्रम, ये मिशन, ये आंदोलन, ये अभियान, ये जन-जागरण का प्रयास पीड़ा की कोख से पैदा हुआ है। और जो मिशन पीड़ा की कोख

से पैदा होता है वो कभी मरता नहीं है। और देखते ही देखते, करोड़ों भारतीयों ने कमाल करके दिखाया। देश में 12 करोड़ से अधिक टॉयलेट्स बनाए गए। टॉयलेट कवरेज का दायरा जो 40 परसेंट से भी कम था, वो शत-प्रतिशत पहुंच गया।

साथियों,
स्वच्छ भारत मिशन से देश के आम जन के जीवन पर जो प्रभाव पड़ा है, वो अनमोल है। हाल में एक प्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय जरनल की स्टडी आई है। इस स्टडी को इंटरनेशनल फूड पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट वाशिंगटन, यूएसए, यूनिवर्सिटी ऑफ़ कैलिफ़ोर्निया...और ओहायो स्टेट यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने मिलकर के स्टडी किया है। इसमें सामने आया है कि स्वच्छ भारत मिशन से हर वर्ष 60 से 70 हज़ार बच्चों का जीवन बच रहा है। अगर कोई ब्लड डोनेशन करके किसी एक की जिंदगी बचा दे ना तो भी वो बहुत बड़ी घटना होती है। हम सफाई करके, कूड़ा-कचरा हटाकर के, गंदगी मिटाकर 60-70 हजार बच्चों की जिंदगी बचा पाए, इससे बड़ा परमात्मा का आशीर्वाद क्या होगा। WHO के मुताबिक 2014 और 2019 के बीच 3 लाख जीवन बचे हैं, जो डायरिया के कारण हम खो देते थे। मानव सेवा का ये धर्म बन गया साथियों।

UNICEF की रिपोर्ट है कि घर में टॉयलेट्स बनने के कारण अब 90 परसेंट से ज्यादा महिलाएं खुद को सुरक्षित महसूस कर रही हैं। महिलाओं को इंफेक्शन से होनी वाली बीमारियों में भी स्वच्छ भारत मिशन की वजह से बहुत कमी आई है। और बात सिर्फ इतनी ही नहीं है...लाखों स्कूलों में लड़कियों के लिए अलग टॉयलेट्स बनने से, ड्रॉप आउट रेट कम हुआ है। यूनिसेफ की एक और स्टडी है। इसके मुताबिक साफ-सफाई के कारण गांव के परिवार के हर साल औसतन 50 हज़ार रुपए बच रहे हैं। पहले आए दिन होने वाली बीमारियों के कारण ये पैसे इलाज पर खर्च होते थे या तो काम-धंधा ना करने के कारण आय खत्म हो जाती थी, बीमारी में जा नहीं पाते थे।

साथियों,
स्वच्छता पर बल देने से बच्चों का जीवन कैसे बचता है, मैं इसका एक और उदाहरण देता हूं। कुछ साल पहले तक मीडिया में लगातार ये ब्रेकिंग न्यूज चलती थी कि गोरखपुर में दिमागी बुखार से, उस पूरे इलाके में, दिमागी बुखार से सैकड़ों बच्चों की मौत...ये खबरें हुआ करती थी। लेकिन अब गंदगी जाने से, स्वच्छता आने से ये खबरें भी चली गईं, गंद के साथ क्या-क्या जाता है ये दखिए। इसकी एक बहुत ही बड़ी वजह...स्वच्छ भारत मिशन से आई जन-जागृति, ये साफ सफाई है।

साथियों,
स्वच्छता की प्रतिष्ठा बढ़ने से देश में एक बहुत बड़ा मनोवैज्ञानिक परिवर्तन भी हुआ है। आज मैं इसकी चर्चा भी आवश्यक समझता हूं। पहले साफ-सफाई के काम से जुड़े लोगों को किस नजर से देखा जाता था, हम सब जानते हैं। एक बहुत बड़ा वर्ग था जो गंदगी करना अपना अधिकार मानता था और कोई आकर के स्वच्छता करे ये उसकी जिम्मेवारी मानकर के अपने आप को बड़े अहंकार में जीते थे, उनके सम्मान को भी चोट पहुंचाते थे। लेकिन जब हम सब स्वच्छता करने लग गए तो उसको भी लगने लगा कि मैं जो करता हूं वो भी बड़ा काम करता हूं और ये भी अब मेरे साथ जुड़ रहे हैं, बहुत बड़ा मनोवैज्ञानिक परिवर्तन। और स्वच्छ भारत मिशन ने, ये बहुत बड़ा मनोवैज्ञानिक परिवर्तन कर करके सामान्य परिवार, साफ-सफाई करने वालों को मान-सम्मान मिला, उनको गर्व को महसूस कराया, और वो आज अपने आप को सम्मान के साथ हमें देख रहा है। गर्व इस बात का कि वो भी अब मानने लगा है कि वो सिर्फ पेट भरने के लिए करता है, इतना ही नहीं है वो इस राष्ट्र को चमकाने के लिए भी कड़ी मेहनत कर रहा है। यानि स्वच्छ भारत अभियान ने लाखों सफाई मित्रों को गौरव दिलाया है। हमारी सरकार सफाई मित्रों के जीवन की सुरक्षा और उन्हें गरिमापूर्ण जीवन देने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा ये भी प्रयास है कि सेप्टिक टैंक्स में मैनुअल एंट्री से जो संकट आते हैं, उनको दूर किया जाए। इसके लिए सरकार, प्राइवेट सेक्टर और जनता के साथ मिलकर काम कर रही है, कई नए-नए Startup आ रहे हैं, नई-नई टेक्नोलॉजी लेकर आ रह हैं।

साथियों,
स्वच्छ भारत अभियान सिर्फ साफ-सफाई का ही प्रोग्राम है, इतना भर नहीं है। इसका दायरा व्यापक रूप से बढ़ रहा है। अब स्वच्छता

संपन्नता का नया रास्ता बन रहा है। स्वच्छ भारत अभियान से देश में बड़े पैमाने पर रोजगार भी बन रहे हैं। बीते सालों में करोड़ों टॉयलेट्स बनने से अनेक सेक्टर्स को फायदा हुआ...वहां लोगों को नौकरियां मिलीं...गांवों में राजमिस्त्री, प्लंबर, लेबर, ऐसे अनेक साथियों को नए अवसर मिले। यूनिसेफ का अनुमान है कि करीब-करीब सवा करोड़ लोगों को इस मिशन की वजह से कुछ ना कुछ आर्थिक लाभ हुआ, कुछ ना कुछ काम मिला है। विशेष रूप से महिला राजमिस्त्रियों की एक नई पीढ़ी इस अभियान की देन है। पहले महिला राजमिस्त्री कभी नाम नहीं सुना था, इन दिनों महिला राजमिस्त्री आपको काम करती नज़र आ रही हैं।

अब क्लीन टेक से और बेहतर नौकरियां, बेहतर अवसर हमारे नौजवानों को मिलने लगे हैं। आज क्लीन टेक से जुड़े करीब 5 हज़ार स्टार्ट अप्स रजिस्टर्ड हैं। वेस्ट टू वेल्थ में हो, वेस्ट के क्लेक्शन और ट्रांसपोर्टेशन में हो, पानी के रीयूज़ और रीसाइकलिंग में हों...ऐसे अनेक अवसर वॉटर एंड सेनीटेशन के सेक्टर में बन रहे हैं। एक अनुमान है कि इस दशक के अंत तक इस सेक्टर में 65 लाख नई जॉब्स बनेंगी। और इसमें निश्चित तौर पर स्वच्छ भारत मिशन की बहुत बड़ी भूमिका होगी।

साथियों,
स्वच्छ भारत मिशन ने सर्कुलर इकॉनॉमी को भी नई गति दी है। घर से निकले कचरे से आज, Compost, Biogas, बिजली और रोड पर बिछाने के लिए चारकोल जैसा सामान बना रहे हैं। आज गोबरधन योजना, गांव और शहरों में बड़ा परिवर्तन ला रही है। इस योजना के तहत गांवों में सैकड़ों बायोगैस प्लांट्स लगाए जा रहे हैं। जो पशुपालन करते हैं किसान कभी-कभी उनके लिए जो पशु वृद्ध हो जाता है, उसको संभालना एक बहुत बड़ी आर्थिक बोझ बन जाता है। अब गोबरधन योजना के कारण वो पशु जो दूध भी नहीं देता है या खेत पर काम भी नहीं कर सकता है, वो भी कमाई का साधन बन सके ऐसे संभावनाएं इस गोबरधन योजना में है। इसके अलावा देश में सैकड़ों CBG प्लांट भी लगाए जा चुके हैं। आज ही कई नए प्लांट्स का लोकार्पण हुआ है, नए प्लांट्स का शिलान्यास किया गया है।

साथियों,
तेजी से बदलते हुए इस समय में, आज हमें स्वच्छता से जुड़ी चुनौतियों को भी समझना, जानना जरूरी है। जैसे-जैसे हमारी economy बढ़ेगी, शहरीकरण बढ़ेगा, waste generation की संभावनाएं भी बढ़ेंगी, कूड़ा-कचरा ज्यादा निकलेगा। और आजकल जो economy का एक मॉडल है यूज एक थ्रो वो भी एक कारण बनने वाला है। नए-नए प्रकार के कूड़े कचरे आने वाले हैं, इलेक्ट्रॉनिक वेस्ट आने वाला है। इसलिए हमें फ्यूचर की अपनी स्ट्रैटजी को और बेहतर करना है। हमें आने वाले समय में construction में ऐसी टेक्नॉलॉजी डवलप करनी होंगी, जिससे रिसाइकिल के लिए सामान का ज्यादा उपयोग हो सके। हमारी जो कॉलोनियां हैं, हमारे जो हाउसिंग है, complexes हैं, उनको हमें ऐसे डिज़ाइन करना होगा कि कम से कम zero की तरफ हम कैसे पहुंचे, हम zero कर पाए तो बहुत अच्छी बात है। लेकिन कम से कम अंतर बचे zero से।

हमारा प्रयास होना चाहिए कि पानी का दुरुपयोग ना हो और waste पानी को treat करके इस्तेमाल करने के तरीके सहज बनने चाहिए। हमारे सामने नमामि गंगे अभियान का एक मॉडल है। इसके कारण आज गंगा जी कहीं अधिक साफ हुई हैं। अमृत मिशन और अमृत सरोवर अभियान से भी एक बहुत बड़ा परिवर्तन आ रहा है। ये सरकार और जनभागीदारी से परिवर्तन लाने के बहुत बड़े मॉडल हैं। लेकिन मैं मानता हूं सिर्फ इतना ही काफी नहीं है। वॉटर कंज़र्वेशन, वॉटर ट्रीटमेंट और नदियों की साफ-सफाई के लिए भी हमें निरंतर नई टेक्नॉलॉजी पर निवेश करना है। हम सब जानते हैं कि स्वच्छता का कितना बड़ा संबंध टूरिज्म से है। और इसलिए, अपने पर्यटक स्थलों, अपने आस्था के पवित्र स्थानों, हमारी धरोहरों को भी हमें साफ-सुथरा रखना है।

साथियों,
हमने स्वच्छता को लेकर इन 10 वर्षों में बहुत कुछ किया है, बहुत कुछ पाया है। लेकिन जैसे गंदगी करना ये रोज का काम है, वैसे स्वच्छता करना भी रोज का ही काम होना ही चाहिए। ऐसा कोई मनुष्य नहीं हो सकता है, प्राणी नहीं हो सकता है कि वो कहे कि मेरे से

गंदगी होगी ही नहीं, अगर होनी है तो फिर स्वच्छता भी करनी ही होगी। और एक दिन, एक पल नहीं, एक पीढ़ी नहीं, हर पीढ़ी को करनी होगी युगों-युगों तक करने वाला काम है। जब हर देशवासी स्वच्छता को अपना दायित्व समझता है, कर्तव्य समझता है, तो साथियों मेरा इस देशवासियों पर इतना भरोसा है कि परिवर्तन सुनिश्चित है। देश का चमकना ये सुनिश्चित है।

स्वच्छता का मिशन एक दिन का नहीं ये पूरे जीवन का संस्कार है। हमें इसे पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाना है। स्वच्छता हर नागरिक की सहज प्रवृत्ति होनी चाहिए। ये हमें हर रोज़ करना चाहिए, गंदगी के प्रति हमारे भीतर एक नफरत पैदा होनी चाहिए, हम गंदगी को टॉलरेट न करें, देख ना पाए ये स्वभाव हमने विकसित करना चाहिए। गंदगी के प्रति नफरत ही हमें स्वच्छता के लिए मजबूर कर सकती हैं और मजबूत भी कर सकती हैं।

हमने देखा है कि कैसे घरों में छोटे-छोटे बच्चे साफ-सफाई को लेकर बड़ों को मोटिवेट करते रहते हैं, मुझे कई लोग कहते हैं कि मेरा पोता, मेरा नाती ये टोकता रहता है कि देखो मोदी जी ने क्या कहा है, तुम क्यों कचरा डालते हो, कार में जा रहे हैं बोला बोतल क्यों बाहर फेकतें हो, रुकवा देता है। ये आंदोलन की सफलता उसमें भी बीज बो रही है। और इसलिए आज मैं देश के युवाओं को...हमारी अगली पीढ़ी के बच्चों को कहूंगा- आइए हम सब मिलकर के डटे रहें, आइए डटे रहिए। दूसरों को समझाते रहिए, दूसरों को जोड़ते रहिए। हमें देश को स्वच्छ बनाए बिना रुकना नहीं है। 10 साल की सफलता ने बताया है कि अब आसान हो सकता है, हम achieve कर सकते हैं, और गंदगी से भारत मां को हम बचा सकते हैं।

साथियों,
मैं आज राज्य सरकारों से भी आग्रह करुंगा कि वे भी इस अभियान को अब जिला, ब्लॉक, गांव, मोहल्ले और गलियों के लेवल पर ले जाएं। अलग-अलग जिलों में, ब्लॉक्स में स्वच्छ स्कूल की स्पर्धा हो, स्वच्छ अस्पताल की स्पर्धा हो, स्वच्छ ऑफिस की स्पर्धा हो, स्वच्छ मोहल्ले की स्पर्धा हो, स्वच्छ तालाब की स्पर्धा हो, स्वच्छ कुए के किनारे की स्पर्धा हो। तो एकदम से वातावरण और उसके कंपटिशन उसे हर महिने, तीने महिने ईनाम दिए जाए, सर्टिफिकेट देए जाए। भारत सरकार सिर्फ कंपटिशन करे और 2-4 शहरों को

स्वच्छ शहर, 2-4 जिलों को स्वच्छ जिला इतने से बात बनने वाली नहीं है। हमने हर इलाके में ले जाना है। हमारी म्यूनिसिपैल्टीज भी लगातार देखें कि पब्लिक टॉयलेट्स की अच्छे से अच्छे मैंटेनेंस हो रही है, चलो उनको ईनाम दें। अगर किसी शहर में व्यवस्थाएं पुराने ढर्रे की तरफ वापस लौटीं तो इससे बुरा क्या हो सकता है। मैं सभी नगर निकायों से, लोकल बॉडीज़ से आग्रह करुंगा कि वे भी स्वच्छता को प्राथमिकता दें, स्वच्छता को सर्वोपरि माने।

आइए...हम सब मिलके शपथ लें, मैं देशवासियों से अनुरोध करता हूं...आइए हम जहां भी रहेंगे, फिर चाहे वो घर हो, मोहल्ला हो या हमारा workplace हो, हम गंदगी ना करेंगे, ना गंदगी होने देंगे और स्वच्छता ये हम हमारा सहज स्वाभाव बनाकर के रहेंगे। जिस प्रकार हम अपने पूजा स्थल को साफ-सुथरा रखते हैं, वही भाव हमें अपने आसपास के वातावरण के लिए जगाना है। विकसित भारत की यात्रा में हमारा हर प्रयास स्वच्छता से संपन्नता के मंत्र को मजबूत करेगा। मैं फिर एक बार देशवासियों से 10 साल के ही जैसे, यात्रा ने एक नया विश्वास पैदा किया है, अब हम अधिक सफलता के साथ, अधिक ताकत से परिणाम प्राप्त रह सकते हैं, और इसलिए आइए एक नए उमंग, नए विश्वास के साथ पूज्य बापू को सच्ची श्रद्धांजलि का एक काम लेकर के चल पड़े और हम इस देश को चमकाने के लिए गंदगी ना करने का शपथ लेते हुए, स्वच्छता के लिए जो भी कर सकते हैं, पीछे ना हटे। मेरी आप सबको बहुत-बहुत शुभकामनाएं हैं।

बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी
स्वच्छ भारत मिशन की 10वीं वर्षगांठ
2 अक्टूबर 2024, विज्ञान भवन

केंद्रीय मंत्री की तरफ से

स्वच्छता ही सेवा की अवधारणा स्वच्छता और लोक स्वास्थ्य के प्रति भारत की प्रतिबद्धता का सार दर्शाती है। पिछले एक दशक में, स्वच्छ भारत मिशन न केवल हमारे देश के स्वच्छता परिदृश्य को बदलने में सहायक रहा है, बल्कि समुदायों को अपने पर्यावरण का स्वामित्व लेने के लिए सशक्त बनाने में भी सहायक रहा है। आज, लगभग सभी गांवों में स्वच्छता प्रणालियों की पहुंच है और करोड़ों परिवारों ने स्वच्छ, स्वस्थ जीवन शैली को अपनाया है। चूंकि हम स्वच्छता ही सेवा का जश्न मना रहे हैं, अत: यह एक अनुस्मारक है कि यह यात्रा अभी खत्म नहीं हुई है। स्वच्छता केवल एक बार का प्रयास नहीं है, बल्कि जीवन की एक शैली है जिसे प्रत्येक नागरिक को अपनाना चाहिए।

श्री सी. आर. पाटिल
केंद्रीय मंत्री, जल शक्ति मंत्रालय

केंद्रीय राज्य मंत्री की तरफ से

स्वच्छता, एक नीति और एक मूर्त लक्ष्य दोनों के रूप में, तभी सफल हो सकती है जब इसे जमीनी स्तर पर सक्रिय रूप से अपनाया जाए। नीतियां दृष्टिकोण निर्धारित करती हैं, लेकिन यह नागरिकों का सामूहिक प्रयास है जो इसे जीवन में उतारता है। स्वच्छता ही सेवा अभियान एक शक्तिशाली अनुस्मारक के रूप में कार्य करता है कि वास्तविक परिवर्तन तब आता है जब हम बाहर निकलते हैं और कार्य को स्वयं संभालते हैं। पिछले कुछ वर्षों में अभियान की सफलता ने हमें दिखाया है कि जब समुदाय उद्देश्य और कार्रवाई के साथ एकजुट होते हैं, तब उसका प्रभाव परिवर्तनकारी होता है।

श्री वी. सोमन्ना
केंद्रीय राज्य मंत्री, जल शक्ति मंत्रालय

सचिव की कलम से

स्वच्छता ही सेवा स्वच्छ, स्वस्थ और अधिक समावेशी भारत की दिशा में हमारी सामूहिक यात्रा में एक शक्तिशाली कदम है। स्वच्छता में भागीदारी, सफाई मित्र सुरक्षा शिविरों और स्वच्छता लक्षित इकाइयों की SHS गतिविधियों में हजारों स्वयंसेवकों और प्रतिभागियों की अत्याधिक भागीदारी, नीतियों को मूर्त परिणामों में बदलने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। इन पहलों को ऐसे प्रमुख परिणामों और संकेतकों पर ध्यान केंद्रित करके डिजाइन किया गया है जो वास्तव में लोगों के जीवन में बदलाव लाते हैं। चूंकि हम स्वच्छ भारत मिशन के 10वें वर्ष का जश्न मना रहे हैं, अत: हमें यह पहचानना चाहिए कि स्वच्छता न केवल एक सामाजिक चुनौती है बल्कि गहराई में अंतर्निहित एक सामाजिक मुद्दा है। महिलाएं, जो हमारे समुदायों की रीढ़ हैं, को इन प्रयासों के केंद्र में रहना चाहिए, हम सब को प्रभावित करने वाले परिवर्तन का संचालन करना चाहिए। हम सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करने का प्रयास करते रहना चाहिए कि भावी भारत के मुख्य केंद्र में स्वच्छता बनी रहे।

श्रीमती विनी महाजन
सचिव, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय

विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) की कलम से

स्वच्छता ही सेवा 2024, जिसका विषय है 'स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता, हमारे दैनिक जीवन के मूल में स्वच्छता को अपनाने के हमारे निरंतर प्रयासों के सार को दर्शाता है। इस वर्ष का अभियान इस बात का प्रमाण है कि पिछले एक दशक में स्वच्छता के सिद्धांत हमारी राष्ट्रीय चेतना में कितनी गहराई से समाहित हो गए हैं। प्रत्येक नागरिक को भाग लेने और अपने आस-पास की चीज़ों की जिम्मेदारी लेने के लिए प्रोत्साहित करके, हम उन मूल्यों को सुदृढ़ कर रहे हैं, जिन्होंने स्वच्छ भारत मिशन को इसकी शुरूआत से ही आगे बढ़ाया है। यह अभियान केवल स्वच्छता के बारे में नहीं है-यह जिम्मेदारी की संस्कृति को बढ़ावा देने के बारे में है, जो एक स्वच्छ, स्वस्थ भारत की दिशा में हमारे प्रयासों का मार्गदर्शन करना जारी रखती है।

श्री अशोक के. के. मीना
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय

मिशन निदेशक की कलम से

स्वच्छता ही सेवा अभियान अपना सातवां वर्ष मना रहा है और यह स्वच्छ भारत मिशन में एक प्रेरक शक्ति बना हुआ है, जो स्वच्छ और स्वस्थ भारत के लिए प्रतिबद्ध है। SHS अभियान के तहत, सभी कार्यक्रम क्षेत्रों में जो कार्यक्रम और व्यापक भागीदारी देखी गई है, वह उस अपार प्रगति पर आधारित है जो हमने पहले ही हासिल कर ली है, जो स्वच्छता और सफाई के गहरे मूल्यों को मजबूत करती है जो समुदायों में दूसरा स्वरूप बन गई है। यह सुनिश्चित करते हुए कि स्वच्छ भारत का दृष्टिकोण न केवल बनाए रखा जाए बल्कि इसे और मजबूत किया जाए, सामूहिक कार्रवाई, भागीदारी और निरंतर प्रयास के माध्यम से हम ठोस परिणाम प्राप्त करना जारी रखेंगे।

श्री जितेंद्र श्रीवास्तव,
संयुक्त सचिव और मिशन निदेशक (एसबीएम-जी), डीडीडब्ल्यूएस, जल शक्ति मंत्रालय

स्वच्छता ही सेवा संबंधी महत्वपूर्ण बिंदु

SHS पाठ्यक्रम के दौरान, हम माननीया राष्ट्रपति
और माननीय उपराष्ट्रपति के साथ साक्षी बने

- **42** केंद्रीय मंत्री
- **10** राज्यपाल
- **20** मुख्य मंत्री
- **149** सांसद
- **188** राज्य मंत्री
- **933** विधायक/ विधान परिषद सदस्य
- **747** जिले
- **3481** ब्लॉक
- **1.46** आयोजित ग्राम सभाएं (लाखों में)
- **11000+** स्वयं को खुले में शौच से मुक्त (उत्कृष्ट श्रेणी में) घोषित करने वाले गांव

स्वच्छता समाचार

SHS प्रभाव

- योजनाबद्ध कुल कार्यक्रम - **30,68,312**
- कुल जन भागीदारी - **30,91,44,229**

सीटीयू	ग्रामीण	शहरी	कुल
योजनाबद्ध कार्यक्रम	5,17,745	3,21,572	8,39,317
पूर्ण	5,12,779	3,15,459	8,28,238
जन भागीदारी	2,69,34,430	59,34,310	**3,28,68,740**

सफ़ाई मित्र सुरक्षा शिविर	ग्रामीण	शहरी	कुल
योजनाबद्ध कार्यक्रम	1,34,787	30,694	1,65,481
पूर्ण	1,31,788	27,713	1,59,501
लाभान्वित स्वास्थ्यकर्मी	34,07,661	14,13,723	**48,21,384**

स्वच्छता में जन भागीदारी	ग्रामीण	शहरी	कुल
योजनाबद्ध कार्यक्रम	15,12,441	3,11,442	18,23,883
पूर्ण	14,79,944	2,93,692	17,73,636
जन भागीदारी	21,40,76,108	3,09,49,752	**24,50,25,860**

- **11,139** साइक्लोथॉन
- **54,090** युवा भागीदारी
- **3,42,074** स्वच्छता प्रतिज्ञा
- **71,28,200** लगाए गए पेड़
- **16,124** स्वच्छ फूड स्ट्रीट
- **79,971** स्वच्छ भारत सांस्कृतिक उत्सव
- **19,338** कचरा से कलात्मक कार्यक्रम

SHS डैशबोर्ड देखने के लिए यहां क्लिक करें

स्वच्छता ही सेवा 2024
17 सितम्बर - 2 अक्टूबर 2024
स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता

सोशल मीडिया कोना

गणमान्य महानुभावों की सहभागिता

99	11	20	15	25	5
Cinema Fraternity members	Singers and Dancers	Sports	Religious and Spiritual	Influencers	Padma Awardees

कुल: 175+

विश्व नेता

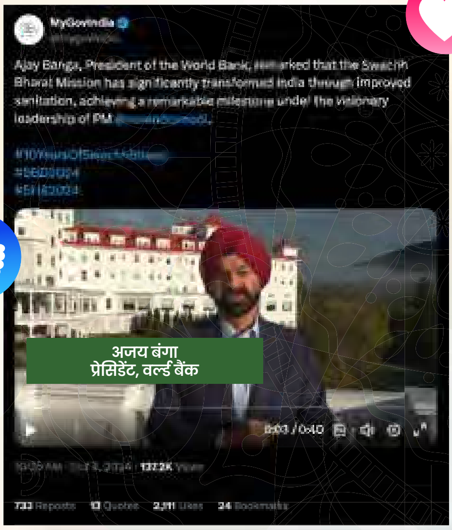

स्वच्छता ही सेवा 2024
17 सितम्बर - 2 अक्टूबर 2024
स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता

चलचित्र के मशहूर हस्तियाँ

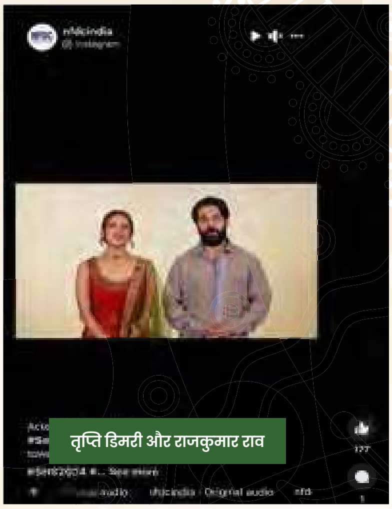

तृप्ति डिमरी और राजकुमार राव

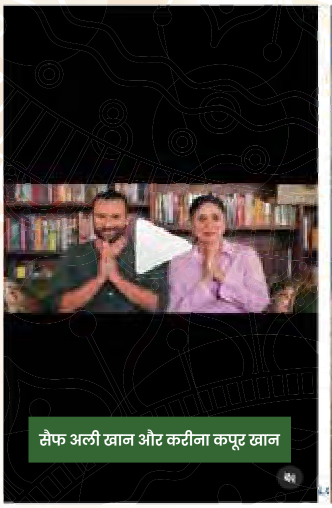

सैफ अली खान और करीना कपूर खान

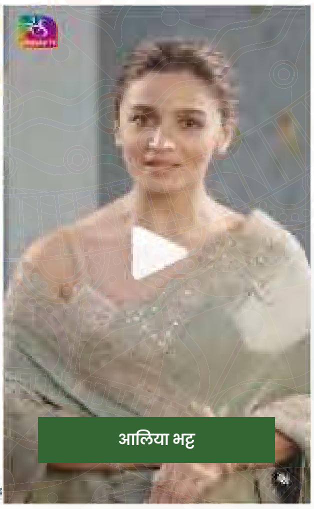

आलिया भट्ट

मनमीत और हरमीत सिंह

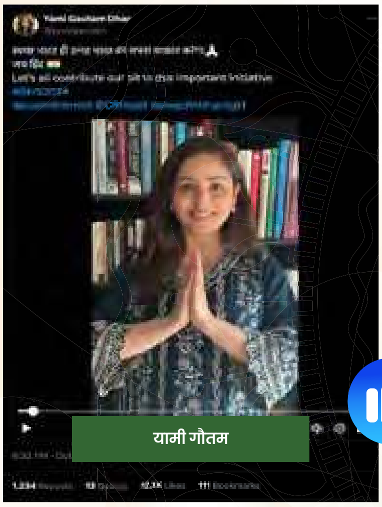

यामी गौतम

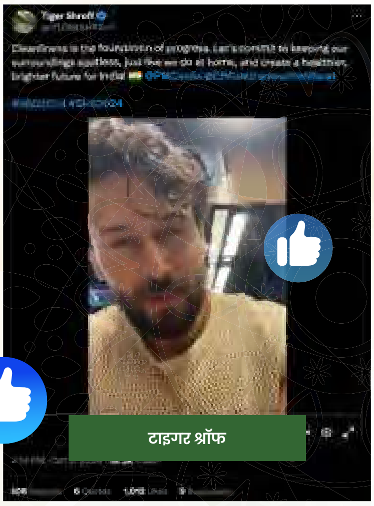

टाइगर श्रॉफ

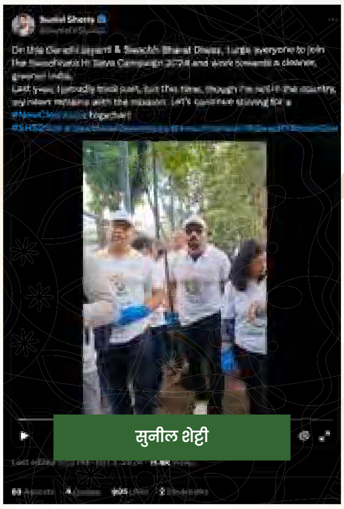

सुनील शेट्टी

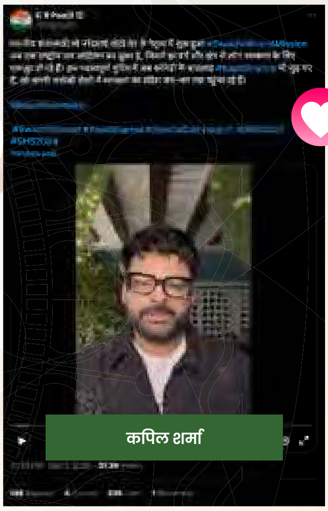

कपिल शर्मा

खिलाड़ी

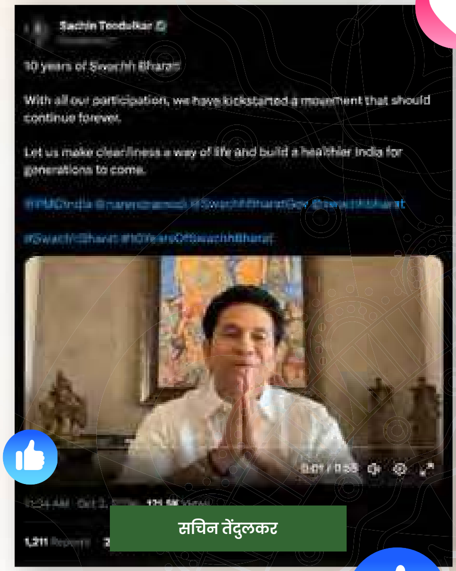

सचिन तेंदुलकर

नीरज चोपड़ा

गुकेश डोम्माराजू

धार्मिक/आध्यात्मिक महानुभाव

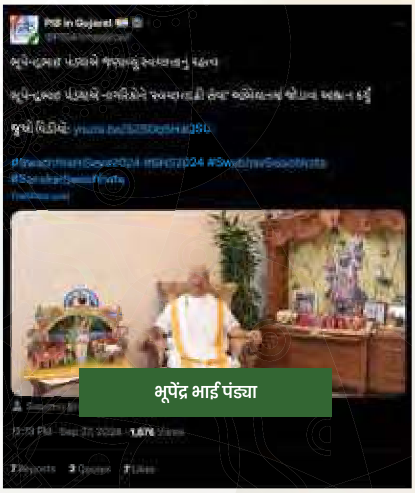

ट्रेंड कर रहे हैशटेग

For you | Trending | News

India trends

1 · Holidays · Trending
#GandhiJayanti
73.1K posts

2 · Trending
लाल बहादुर शास्त्री
76.7K posts

3 · Politics · Trending
#10YearsOfSwachhBharat
39.5K posts

4 · Trending
#SBD2024
17.3K posts

5 · Trending
#SHS2024
26.1K posts

माननीया राष्ट्रपति महोदया के शुभाशीष से SHS अभियान का शुभारंभ

IWW और उज्जैन, मध्य प्रदेश में माननीय राष्ट्रपति महोदया की गरिमामयी उपस्थिति

माननीय उपराष्ट्रपति की गरिमामयी उपस्थिति

झुंझुनू, राजस्थान में माननीय उपराष्ट्रपति का सान्निध्य

केंद्रीय मंत्रियों का गरिमामयी सहयोग

ओडिशा और छत्तीसगढ़ में माननीय केंद्रीय मंत्री, जल शक्ति की भागीदारी

राज्यपालों और मुख्यमंत्रियों की गरिमामयी उपस्थिति एवं समर्थन

स्वच्छता ही सेवा के दौरान राज्यपालों और मुख्यमंत्रियों की भागीदारी

13 सितंबर 2024 को अभियान के शुभारंभकर्ता गण

1 अक्तूबर, 2024 को आयोजित स्वच्छ भारत दिवस के लिए शुभारंभकर्ता गण

विदेश स्थित भारतीय मिशन SHS अभियान से जुड़े

संयुक्त राज्य अमेरिका

रूस

यूनाइटेड किंगडम

फ्रांस

जापान

इटली

सऊदी अरब

स्पेन

नीदरलैंड्स

विदेश स्थित भारतीय मिशन SHS अभियान से जुड़े

स्विट्जरलैंड और लिक्टेंस्टाइन

तंजानिया

मिस्र

सर्बिया

थाईलैंड

कोलम्बिया

ओमान

मालदीव

वेनेजुएला

और भी बहुत...

मीडिया के झरोखे से

पखवाड़े के दौरान 2000 से अधिक प्रिंट मीडिया कवरेज छपीं

कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं

10 अक्टूबर 2024 की स्थिति अनुसार

ओडीएफ प्लस

भारत के **5.54** लाख से अधिक गांवों ने स्वयं को **ODF Plus** घोषित किया है

- उदीयमान: **2,16,785**
- उज्ज्वल: **22,258**
- उत्कृष्ट: **3,15,899**
- सत्यापित: **1,41,994**

4,12,668 गांवों में ठोस कचरा प्रबंधन की व्यवस्था
5,00,197 गांवों में ठोस कचरा प्रबंधन की व्यवस्था
1144 बायोगैस संयंत्र पंजीकृत
758 कार्यशील बायोगैस संयंत्र
86 पूर्ण बायोगैस संयंत्र
3651 ब्लॉकों में प्लास्टिक कचरा प्रबंधन की व्यवस्था

स्वच्छता ही सेवा 2024 के लिए उद्घाटन कार्यक्रम: स्वच्छ भारत मिशन के तहत परिवर्तनकारी स्वच्छता के एक दशक का जश्न समारोह

जल शक्ति मंत्रालय और आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय (MOHUA) ने 13 सितंबर को सुषमा स्वराज भवन में एक उद्घाटन समारोह कार्यक्रम के साथ स्वच्छता ही सेवा (SHS) 2024 अभियान का शुभारंभ किया। यह कार्यक्रम एक अत्यंत महत्वपूर्ण उपलब्धि है क्योंकि स्वच्छ भारत मिशन अपनी दसवीं वर्षगांठ मनाने की तैयारी कर रहा है। SHS 2024 का विषय 'स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता', का उद्देश्य पूरे भारत में स्वच्छता के लिए सामूहिक कार्रवाई और आमजन भागीदारी की भावना को पुन: जाग्रत करना है, इसमें 'समग्र सामाजिक दृष्टिकोण' के तहत निम्नलिखित तीन प्रमुख स्तंभों पर ध्यान केंद्रित किया जाना है:

- **स्वच्छता लक्षित इकाइयाँ (CTUS) –** ऐसी श्रमदान गतिविधियाँ जिनका उद्देश्य लक्षित इकाइयों और सामान्य स्वच्छता का समयबद्ध परिवर्तन हो।
- **स्वच्छता में जन भागीदारी –** सार्वजनिक भागीदारी, जागरूकता और सहयोग को बढ़ावा देना हो।
- **सफाई मित्र सुरक्षा शिविर –** स्वच्छता कार्यकर्ताओं की निवारक स्वास्थ्य जांच कराना और उन्हें सामाजिक सुरक्षा कवरेज प्रदान करना।

उद्घाटन कार्यक्रम की मुख्य झलकियां: माननीय केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य और विद्युत मंत्री श्री मनोहर लाल, माननीय केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल; राज्य मंत्रियों, सचिव और मिशन निदेशक की उपस्थिति ने इस कार्यक्रम को गरिमा प्रदान की। उद्घाटन के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई।

अधिक पढ़ने के लिए, यहां क्लिक करें

स्वच्छता ही सेवा (SHS) 2024 अभियान शुरू, परिवर्तनकारी स्वच्छता के 10 साल पूरे होने पर जश्न समारोह

जल शक्ति मंत्रालय के पेयजल और स्वच्छता विभाग (DDWS) ने आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय (MoHUA) के सहयोग से गर्व से स्वच्छता ही सेवा (SHS) 2024 के आधिकारिक शुभारंभ की घोषणा की। यह एक ऐसा राष्ट्रव्यापी स्वच्छता अभियान है जो एक स्वच्छ और स्वस्थ भारत के प्रति प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। इस वर्ष का अभियान, जिसका विषय 'स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता' है, स्वच्छ भारत मिशन (SBM) के तहत एक दशक के परिवर्तनकारी कार्यों पर आधारित है, जिसने 2014 में अपनी स्थापना के बाद से भारत के स्वच्छता परिदृश्य को मौलिक रूप से नया आकार प्रदान किया है। इस अभियान में देश भर के आमजन बड़े पैमाने पर स्वच्छता अभियान, जन जागरूकता अभियान और स्वच्छ पर्यावरण के लिए सामूहिक प्रयास करेंगे।

केवल DDWS ने ही सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में 4.9 लाख स्वच्छता में भागीदारी कार्यक्रमों और 3.74 लाख CTU और 61,638 सफाई मित्र सुरक्षा शिविरों के साथ 9.2 लाख से अधिक ग्रामीण कार्यक्रमों की योजना बनाई है।

14 सितम्बर से शुरू हो रहे इस अभियान के तहत देश भर में कई कार्यक्रम हुए। राजस्थान में, उपराष्ट्रपति, श्री जगदीप धनखड़ ने झुंझुनूं में केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर और राजस्थान सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री, श्री अविनाश गहलोत के साथ राष्ट्रीय शुभारंभ गतिविधियों की शुरुआत की। कर्नाटक राज्य में केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री श्री वी. सोमण्णा द्वारा शुभारंभ किया गया और आठ राज्यों में, शुभारंभ कार्यक्रमों का संचालन मुख्यमंत्रियों और अन्य वरिष्ठ गणमान्य व्यक्तियों द्वारा किया गया था। इसके अलावा, विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों द्वारा सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में राज्य स्तर पर शुभारंभ कार्यक्रम आयोजित किए गए।

अधिक पढ़ने के लिए, यहां क्लिक करें

स्वच्छता समाचार

माननीय केन्द्रीय, जल शक्ति मंत्री, श्री सी.आर. पाटिल ने स्वच्छता ही सेवा 2024 के लिए छत्तीसगढ़ का दौरा किया

छत्तीसगढ़, स्वच्छता ही सेवा (SHS) 2024 अभियान को एक व्यापक योजना के साथ नई बुलंदियां प्रदान कर रहा है जिसमें 29,951 'स्वच्छता में भागीदारी' कार्यक्रम, 2,332 'सफाई मित्र सुरक्षा शिविर' और इसके ग्रामीण क्षेत्रों में 5,631 स्वच्छता लक्षित इकाइयों (सीटीयू) का कायाकल्प शामिल है। इस पहल के तहत, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल ने प्रगति का निरीक्षण करने के लिए राजनंदगांव जिले का दौरा किया और इन स्वच्छता प्रयासों को सुदृढ़ता प्रदान करने के उद्देश्य से कई गतिविधियों में शामिल हुए।

अपने इस दौरे के दौरान, श्री सी.आर. पाटिल ने जल संरक्षण और स्वच्छता संबंधी कार्यक्रमों के अभिसरण सहित स्वच्छता से जुड़ी पहलों के प्रभाव को प्रत्यक्ष रूप से देखा। छत्तीसगढ़ ने महत्वपूर्ण प्रगति की है, इसके 67% गांवों को ओडीएफ प्लस उत्कृष्ट, 73% को ठोस अपशिष्ट के प्रबंधन वाले गाँवों और 94% को तरल कचरे के प्रबंधन वाले गाँव घोषित किया गया है।

अधिक पढ़ने के लिए, यहां क्लिक करें

माननीय केंद्रीय जल शक्ति मंत्री ने स्वच्छता ही सेवा 2024 की प्रगति का आकलन करने के लिए ओडिशा का दौरा किया

माननीय केंद्रीय जल शक्ति मंत्री, श्री सी.आर. पाटिल ने चल रही स्वच्छता ही सेवा (SHS) 2024 अभियान से संबंधित गतिविधियों की समीक्षा के लिए 26 सितंबर को ओडिशा का दौरा किया। उनके द्वारा इस कार्यक्रम में राज्य की स्वच्छता उपलब्धियों का आकलन करने पर विशेष ध्यान दिया गया, जिसमें खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) प्लस उत्कृष्ट गांव, बेहतर अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली और समग्र स्वच्छता प्रयास शामिल हैं। यह यात्रा ओडिशा के एक प्रमुख समाज सुधारक उत्कलमणि पंडित गोपबंधु दास के जन्मस्थान सुआंडो गांव से शुरू हुई। माननीय जल शक्ति मंत्री ने पर्यावरणीय स्थिरता और SHS अभियान दोनों में योगदान देने वाली 'एक पेड़ मां के नाम' पहल के तहत वृक्षारोपण अभियान में भाग लिया।

बिरारामचंद्रपुर ग्राम पंचायत में आयोजित एक सम्मेलन में, माननीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल जी ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत ओडिशा की महत्वपूर्ण प्रगति पर प्रकाश डाला, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में शौचालय की पहुंच मात्र 12% से बढ़कर100% तक हो गई।

अधिक पढ़ने के लिए, यहां क्लिक करें

प्रधानमंत्री ने 155वीं गांधी जयंती पर स्वच्छ भारत मिशन के 10 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह का नेतृत्व किया

गांधी जयंती 2024, स्वच्छ भारत मिशन (SBM) की 10वीं वर्षगांठ के रूप में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2 अक्टूबर 2014 को शुरू किए गए, SBM ने न केवल देश के स्वच्छता परिदृश्य को बदल दिया है, बल्कि यह विश्व स्तर पर सतत विकास का एक प्रतीक भी बन गया है। इस विशेष अवसर को यादगार बनाने के लिए, एक राष्ट्रीय उत्सव की योजना बनाई गई थी, जिसमें प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने मुख्य अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम को गरिमा प्रदान की क्योंकि उनके साथ केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय (MoHUA) – श्री मनोहर लाल खट्टर, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री- श्री सीआर पाटिल, केंद्रीय राज्य मंत्री (MoS), श्री तोखन साहू (MoHUA) और श्री राज भूषण चौधरी (DDWS) के साथ-साथ पेयजल एवं स्वच्छता विभाग में सचिव श्रीमती विनी महाजन, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय में सचिव श्री कटिकिथला श्रीनिवास, सचिव- सुश्री देबाश्री मुखर्जी के साथ-साथ विभिन्न मंत्रालयों के वरिष्ठ सदस्य, राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के प्रतिनिधि, युवा नेता, स्वच्छता कार्यकर्ता, सरपंच और महिला नेता भी उपस्थित इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

अधिक पढ़ने के लिए, यहां क्लिक करें

स्वच्छता
ही सेवा 2024
17 सितम्बर - 2 अक्टूबर 2024
स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता

"जब तक आप झाड़ू और बाल्टी अपने हाथों में नहीं लेंगे, तब तक आप अपने कस्बों और नगरों को साफ-सुथरा नहीं बना सकते।"

महात्मा गांधी

स्वच्छता समाचार के अगले अंक में योगदान करने के लिए, हर महीने की 15 तारीख से पहले अपनी प्रस्तुति swachhbharat@gov.in पर साझा करें

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
जल शक्ति मंत्रालय
भारत सरकार
DEPARTMENT OF DRINKING WATER AND SANITATION
MINISTRY OF JAL SHAKTI
GOVERNMENT OF INDIA
सत्यमेव जयते

संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक का कार्यालय, SBM-G, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार

चतुर्थ तल, पंडित दीनदयाल अंत्योदय भवन, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली-110003 दूरभाष: 011-24362192 | ईमेल: js-sbm@gov.in